आज खेल

प्रयागराज, बुधवार ७ अक्तूबर, २०२६

१०

## सौरभ गांगुली बने दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच

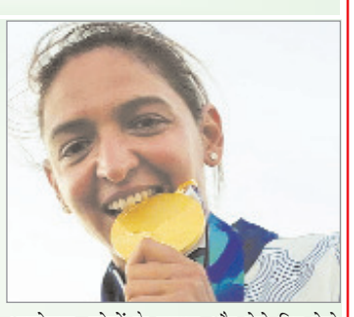
**नयी दिल्ली (एजेन्सियां)।** भारत के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली को मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग के २०२७ सत्र के लिये दिल्ली कैपिटल्स का मुख्य कोच बनाया गया। गांगुली २०१९ में दिल्ली टीम के सलाहकार बने थे। वह फ्रेंचाइजी की पुरूष और महिला टीम के क्रिकेट निदेशक समेत कई पदों पर रह चुके हैं। गांगुली ने कहा आईपीएल में मुख्य कोच की भूमिका संभालने को लेकर उत्साहित हूं। दिल्ली कैपिटल्स टीम मेरे दिल के करीब है और इतने सालों में उसके साथ करीबी रिश्ता रहा है। उन्होंने कहा मैने टीम के मालिकों, प्रबंधन, सहयोगी स्टार और खिलाड़ियों के साथ करीब से काम किया है। हमारे पास काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और अतीत में हमने अच्छी क्रिकेट खेली है। दिल्ल टीम आईपीएल के पिछले सत्र में छठे स्थान पर रही थी।

# विश्व विजेता हरमनप्रीत ने छोड़ी कप्तानी

### मैने अपनी जिम्मेदारी निभा दी, अब बतौर खिलाड़ी खेलूंगी तीनों प्रारुप



**नयी दिल्ली (एजेन्सियां)।** भारत की एकमात्र विश्वकप विजेता महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार को तीनों प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा देते हुए कहा कि बतौर कप्तान उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह निभाई है और अब वह एक बार फिर सिर्फ इस खेल के प्यार और जुनून के लिए खेलने को तैयार हैं। सैतीस वर्षीय हरमनप्रीत का यह फैसला गुवाहाटी में हुई बीसीसीआई की समीक्षा बैठक के बाद आया जिसमें पिछले कुछ महीनों में टीम के प्रदर्शन और उसकी आगे की दिशा का आकलन किया गया। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में हरमनप्रीत के अलावा उपकप्तान स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी शामिल हुए। हाल के दिनों में भारतीय महिला टीम की कप्तानी करने की अपनी इच्छा खुलकर जाहिर करने वाली स्मृति मंधाना अगली कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे मानी जा रही हैं। कुछ समय से खराब फार्म से जूझ रहीं हरमनप्रीत ने सोशल मीडिया पर लिखा मैं आज भारतीय महिला क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों की कप्तानी से हट रही हूं। यह फैसला आसान नहीं है। इसके साथ वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे अनगिनत पल जुड़े हैं, जो जीवन भर मेरे साथ रहेंगे। इसके साथ उन्होंने ऐतिहासिक लार्ड्स क्रिकेट मैदान की ओर मुंह करके खड़े अपनी तस्वीर भी पोस्ट की। इससे पहले हरमनप्रीत ने कम से कम २०२८ लास एंजिलिस ओलम्पिक तक टीम की कप्तानी करने की इच्छा जताई थी। भारत इन खेलों के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुका है। हरमनप्रीत ने २०१६ में भारतीय टी-२० टीम की कप्तानी संभाली थी और करीब एक दशक तक इस जिम्मेदारी को निभाया। २०२२ में उन्हें एकदिनी टीम की कप्तानी सौंपी गयी और २०२३ में वह तीनों प्रारूपों की कप्तान बन गयी। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मैंने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। मैंने इस जिम्मेदारी को सम्मान के साथ निभाया और भारतीय महिला क्रिकेट का नेतृत्व करने का अवसर मिलने के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी। हरमनप्रीत हालांकि तीनों प्रारूपों में भारत के लिए खेलना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा अब मेरे लिए नया अध्याय शुरू करने का समय है। कप्तानी आज खत्म हो सकती है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी खत्म नहीं होगा। मैंने अपना खून, पसीना, त्याग और सम्मान सब कुछ इस टीम को दिया है। मैं अब फिर से सिर्फ खेल के प्यार के लिए खेलने को तैयार हूं। कप्तानी का अंत हुआ है, सफर जारी है। अपने भावुक बयान में अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि कप्तान के रूप में उन्होंने टीम को अपना सब कुछ दिया और कई बार अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पीछे रखकर टीम की जरूरतों को प्राथमिकता दी। हरमनप्रीत को भारत की महानतम क्रिकेटरों में शुमार किया जाता है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछले साल पहली बार एकदिनी विश्वकप जीता था। हाल ही में टीम ने एशियाई खेलों के टी-२० प्रारूप में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक भी हासिल किया। इसके अलावा हरमनप्रीत की अगुआई में भारत ने २०२२ राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। उन्होंने पांच टेस्ट, ५१ एकदिनी और १५५ टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की कप्तानी की। उन्होंने कहा एक कप्तान के रूप में मुझे कई कठिन फैसले लेने पड़े। ऐसे फैसले जिन्हें हमेशा समझा नहीं गया जो हमेशा आसान नहीं थे और कभी-कभी जिनकी व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा मेरा हर फैसला टीम को बेहतर बनाने के प्रेरित था। इसमें अन्य खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना शामिल है। हरमनप्रीत ने कहा मैंने सब कुछ देखा है। मैंने टीम के सबसे बुरे दौर, निराशा, आलोचना, लोगों के सवाल और ऐसे दिन देखे हैं, जब लगता था कि कुछ भी हमारे पक्ष में नहीं हो रहा। लेकिन मैंने जीत की सबसे बड़ी खुशियां भी महसूस की हैं—जीत, जश्न, देश के लिए खेलने का गर्व और वे पल, जिन्होंने हमारे हर त्याग को सार्थक बना दिया। उन्होंने कहा कि वह कप्तानी की जिम्मेदारी भावनाओं से भरे दिल, लेकिन मन में शांति के साथ छोड़ रही है. उन्होंने कहा मुझे सच में विश्वास है कि मेरी टीम एक अच्छी स्थिति में है। ऐसी टीम, जिसमें प्रतिभा, आत्मविश्वास और एक उज्ज्वल भविष्य है। मैं उसके आगे के सफर को देखने और उसका हिस्सा बने रहने के लिए बेहद उत्साहित हूं।



## अभिषेक, गिल, शेफाली, श्रीचरणी मंथ आफ क्रिकेटर के लिए नामित

**नयी दिल्ली (एजेन्सियां)।** भारतीय पुरूष टीमके कप्तान शुभमन गिल, सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, शेफाली वर्मा और स्पिनर श्री चरणीको अईसीसीके सितम्बर महीनेके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कारके लिये नामांकित किया गया है। भारतीय चौकड़ीके अलावा जिम्बाब्वेके कप्तान सिकंदर रजा और श्रीलंकाकी कप्तान चामरी अटापट्टूको भी नामांकित किया गया है। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ चार टी-२० में २२९ रन बनाये और रेकार्ड ३० गेंद में शतक जड़ा था। गिल ने वेस्टइण्डीज के खिलाफ दो एकदिनी में ३३३ रन बनाये जिसमें एक दोहरा शतक शामिल है। रजा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिनी शृंखला में सर्वाधिक रन बनाये थे। महिला वर्ग में एशिया कप और एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का दबदबा रहा। अटापट्टू ने बल्ले और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया जबकि शेफाली ने महिला एशिया कप में सर्वाधिक रन बनाए। श्री चरणी ने आईसीसी टी-२० महिला गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग प्वाइंट हासिल किये थे।

# अय्यरके शतकसे भारतकी शानदार जीत

### पहला टी-२० : वेस्टइण्डीजको आठ विकेट से हराया, शाई होप और रदरफोर्डका अर्द्धशतक बेकार

**लखनऊ (आससे)।** नमन धीर (३-३१), अक्षर पटेल (२-२६) और कुलदीप यादव (२-३३) की अगुवाई में गेंदबाजोंके शानदार प्रदर्शनके टीमके सरपंच कप्तान श्रेयस अय्यरके पहले शतक (अजेय १०२) और उनकी ईशान किशन (३७) के साथ तीसरे विकेटके लिए ६७ गेंदमें की गयी १३७ रन की अटूट साझेदारीके सहारे भारतने पहले टी-२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबलेमें वेस्टइण्डीजको आठ विकेटसे करारी शिकस्त दे पांच मैचोंकी शृंखला में १-० की बढ़त ले ली। कप्तान शाई होप (५२) और शेरफेन रदरफोर्ड (५६) की अर्द्धशतकीय पारीके बावजूद वेस्टइण्डीज की टीम पांच गेंद शेष रहते १७१ रनपर सिमट गयी। इसके बाद भारत ने लक्ष्य को ३२ गेंद बाकी रहते दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। शृंखला का दूसरा मैच शुक्रवार को रांचीमें खेला जायेगा। १७२ रनके लक्ष्यके सामने भारतकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवरमें ही ३६ रनपर दोनों सलामी बल्लेबाजोंको खो दिया। भारतको पहला झटका अभिषेक शर्माके रूपमें लगा जो १० गेंद में तीन चौके, एक छक्के की मदद से २१ रन बना कर रोस्टन चेज की गेंद हेटमायरके हाथों में खेल बैठे जबकि सैमसन (११) को अकील हुसैन ने अपनी ही गेंद पर लपका लेकिन इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने मोर्चा संभाला। शुरुआत में किशन धीमे रहे जबकि रन बनाने का जिम्मा अय्यरने अपने कंधों पर ले लिया। अय्यर के आक्रामक तेवर का नतीजा रहा कि पावर प्लेमें भारत के ६२ रन बन गये। अय्यर का प्रहार पावर प्ले के बाद भी जारी रहा और अब उन्हें ईशान किशन का भी साथ मिलने लगा जिससे स्कोर बोर्ड पर तेजी से रन बदलने लगा। भारत के रनों का शतक ९.३ ओवर में पूरा हो गया। वेस्टइण्डीज ने लगातार गेंदबाजी में बदलाव किया मगर वह अय्यर के आक्रमण के आगे बेबस नजर आये। २८ गेंद पर पर अर्द्धशतक पूरा करने के बाद अय्यरको जीवनदान भी मिला जिसका फायदा उठाते हुए उन्होंने ४२ गेंदोंमें करियर का पहला शतक ठोक दिया। रोस्टन चेज की गेंद पर छक्का से शतक पूरा करनेवाले अय्यर ने ईशान किशन के साथ तीसरे विकेट के लिए ६७ गेंद में १६७ रन की अटूट साझेदारी कर दी जिससे भारत का स्कोर १४.४ ओवर में दो विकेट पर १७२ रन हो गया। अय्यर ने ४३ गेंद में १० चौके और छह छक्के लगाये जबकि किशन ने २७ गेंद में पांच चौके की मदद से ३७ रन की अजेय पारी खेली। वेस्टइण्डीज की ओर से अकील हुसैन और रोस्टन जेच ने क्रमशः ३७-३७ रन देकर एक-एक विकेट लिए। इससे पहले टास हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइण्डीज को शाई होप ने तेज शुरुआत दी। उन्होंने भारत की ओर से गेंदबाजी का आगाज करने आये अर्शदीप की फुल लेंथ गेंद को मिड-आफ के ऊपर से उठाकर चार रनों के लिए सीमारेखा के पार करा अपना और टीम का खाता खोला। दूसरे छोर से आये मयंक यादव के पहले ओवर में शाई होप ने चार चौके बटोरे। उन्होंने पहली गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से चौका लगाया। फिर दूसरी गेंद पर डाउन द ग्राउंड शाट खेलकर बाउंड्री लाइन के बाहर गेंद को पहुंचाया। इसके बाद आखिरी दो गेंद पर भी चौके लगे। हालांकि उनके जोड़ीदार कामिल पूरन उनका साथ ज्यादा देर नहीं दे सके और ११ गेंद पर दो चौके की मदद से १२ रन बना कर अर्शदीप की गेंद पर बोल्ड हो गये। कैरेबियाई टीम को पहला झटका ३८ रन पर लगा। नये बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर से टीम बड़े स्कोर की उम्मीद कर रही थी लेकिन वे पांच रन का ही अंशदान कर रन आउट हो गये जिससे वेस्टइण्डीज का स्कोर दो विकेट पर ४४ रन हो गया। अक्षर पटेल के इसी ओवर में रोवमैन पावेल खाता खोलने से पहले ही बोल्ड हो गये जिससे पावर प्ले में स्कोर तीन विकेट पर ४४ रन हो गया और टीम संकट में फंस गयी। जल्दी-जल्दी विकेट गिरने से शाई होप ने भी अपनी आक्रामक रणनीति में बदल दी और संभल कर खेलने लगे। कैरेबियाई टीम की ओर से पहला छक्का शेरफिन रदरफोर्ड के बल्ले से आया जो उन्होंने कुलदीप यादव की गेंद पर लगाया। कुछ देर शांत रहने के बाद होप ने भी कुलदीप के इसी ओवर में डीप मिड विकेट पर छक्का जड़ा जिससे इस ओवर में १५ रन टीम के खाते में आये। रदरफोर्ड ने आक्रमक तेवर बरकरार रखते हुए अक्षर पटेल पर भी चौका और छक्का लगाया जबकि होप ने भी गेंद को चार रनों के लिए सीमा रेखा के पार पहुंचाया। अक्षर का यह ओवर महंगा रहा जिसमें १८ रन खर्च हुए। लय में खेल रहे होप ने अर्द्धशतक तो पूरा कर लिया लेकिन जब वे ३७ गेंद पर छह चौके, दो छक्के की मदद से ५२ रन पर थे, पदार्पण कर रहे नमन धीर ने पवेलियन भेज दिया। नमन धीर ने लेंथ पीछे खींची, जिस पर होप बैकफुट से पुल खेलने गये लेकिन शाट में ज्यादा ताकत नहीं थी। डीप मिड-विकेट पर अक्षर पटेल ने आसान कैच पकड़ लिया। होप ने रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेटके लिए ३५ गेंदमें ६३ रन जोड़े जो टीम की सबसे बड़ी साझेदारी रही। होप के आउट होते ही टीम बिखर गयी और देखते ही देखते उसका स्कोर चार विकेट पर १०७ रनसे आठ विकेट पर १३५ रन हो गया। कुलदीप यादव ने रोस्टन चेज को पांच रन पर पगबाधा किया तो रोमारियो शेफर्ड (सात) को नमन ने तिलक वर्माके हाथों कैच कराया। मैथ्यू फोर्ड (दो) कुलदीप के शिकार हुए जबकि शामर स्प्रिंगर (नौ) को नमन ने अपना तीसरा शिकार बनाया। इधर विकटों के गिरते सिलसिले के बीच रदरफोर्ड ने अर्द्धशतक पूरा कर लिया। रदरफोर्ड ३६ गेंदमें छह चौके, तीन छक्के की मदद से ५६ रन बना कर मयंक यादव के शिकार हुए लेकिन उन्होंने नौवें विकेट के लिए अकील हुसैन (१५) के साथ १८ गेंद में ३८ रन की साझेदारी कर दी जिससे वेस्टइण्डीज की टीम १९.१ ओवरमें सिमटने से पहले १७१ रन बनाने में सफल हो गयी।



## श्रेयस खिलाड़ियों के कप्तान आगे बढ़ कर करते हैं नेतृत्व

### -वीवीएस लक्ष्मण



**नयी दिल्ली (एजेन्सियां)।** भारत के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि श्रेयस अय्यर में भारतीय टीम की सफल कप्तानी करने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा कि अय्यर की अच्छी तैयारी, रणनीति की समझ और विपक्षी टीम की ताकत को पहचानने की क्षमता उन्हें एक मजबूत कप्तान बनाती है। श्रेयस अय्यर ने जापान में भारत को पुरुष क्रिकेट का स्वर्ण पदक दिलाया। अय्यर के कप्तानी संभालने के तरीके से प्रभावित लक्ष्मण ने कहा कि मध्यक्रम के इस बल्लेबाज में पहले से ही वे खूबियां नजर आ रही हैं जो तेज गति वाले टी-२० क्रिकेट में विपक्षी टीम से एक कदम आगे रहने के लिए जरूरी हैं। लक्ष्मण ने कहा यह उनके कप्तानी करियर की अभी शुरुआत है लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि वह काफी सफलता हासिल करेंगे। वह खिलाड़ियों के कप्तान हैं। वह हर खिलाड़ी को सहज महसूस कराते हैं और खुद आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। उन्होंने कहा चाहे बल्लेबाजी की बात हो या मैदान पर फैसले लेने की वह टीम बैठक से पहले ही विपक्षी टीम की योजनाओं, उसकी ताकत और कमजोरियों को समझने के लिए बैठ जाते हैं। तैयारी को लेकर वह बहुत गंभीर रहते हैं। फिटनेस पर भी काफी जोर देते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि बतौर कप्तान उनका कार्यकाल बहुत सफल रहेगा। अपने खेल के दिनों में शानदार बल्लेबाज रहे लक्ष्मण ने अय्यर की रणनीतिक समझ और टीम में मौजूद खिलाड़ियोंकी क्षमताओं को पहचाननेकी उनकी क्षमता की भी तारीफ की। उनका मानना है कि इन्हीं खूबियों की वजहसे अय्यर अपने खिलाड़ियोंसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवानेमें सक्षम हैं। रणनीति के मामलेमें वह बेहद समझदार और तेज हैं। वह अपनी टीमके हर खिलाड़ीकी ताकतको समझते हैं और जानते हैं कि उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे करवाना है। लक्ष्मण ने कहा खासकर टी-२० क्रिकेट में आपको विपक्षी टीम से एक-दो कदम आगे रहना होता है। अय्यर जिस तरह विपक्षी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझते हैं और उसके अनुसार पूरी तैयारी करते हैं। वह मुझे बहुत अच्छा लगता है। लक्ष्मण की यह तारीफ एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम की मुश्किल तैयारियोंके बाद आई है। खराब मौसम, लगातार यात्रा और मैदानपर अभ्यासके सीमित मौकोंने टीमकी तैयारियोंको चुनौती दी थी। लक्ष्मणने कहा कि इन परिस्थितियोंके बावजूद खिलाड़ियोंका खुदको ढालना अभियान की सबसे अच्छी बातोंमें से एक रहा। उन्होंने कह जबसे हम जापान पहुंचे, मौसम, यात्रा और अच्छे अभ्यास सत्रों की कमीके कारण हमारे सामने कई चुनौतियां थीं लेकिन एक बार भी मुझे ऐसा नहीं लगा कि टीम या किसी खिलाड़ीमें बड़े मुकाबलोंके लिए तैयार होनेकी उत्सुकता नहीं है। उन्होंने कहा श्रीलंकाके खिलाफ सेमीफाइनलकी पिच मुश्किल थी लेकिन खिलाड़ियोंने सकारात्मक रवैया दिखाया। फाइनलमें भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनोंमें टीमने बेहद पेशेवर प्रदर्शन किया। लक्ष्मण इस बातसे भी खुश थे कि खिलाड़ियोंने उन परिस्थितियों के अनुसार खुदको ढाला जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएलमें आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं।

## भारत सहित सात देश ओलम्पिक-२०३६ की मेजबानी की दौड़ में

**लुसाने (एजेन्सियां)।** अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) ने मंगलवार को कहा कि भारत, जर्मनी, कतर और तुर्किये समेत सात देशों ने २०३६ ओलम्पिक खेलों की मेजबानी में रुचि जताई है। इन सभी इच्छुक देशों को नवम्बर में फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने अपनी परियोजनाएं पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया है। आईओसी के इन देशों के प्रस्तावों का विभिन्न तकनीकी पहलुओं के आधार पर मूल्यांकन किया जायेगा। आईओसी ने बताया कि परियोजनाओं को कई महत्वपूर्ण मानकों पर परखा जायेगा। इनमें खेल स्थलों की योजना, खिलाड़ियों के अनुभव, वित्तीय रणनीति, राजनीतिक और सार्वजनिक समर्थन, खेलों के सफल आयोजन की क्षमता और मेजबानी के बाद स्थानीय समुदायों को मिलने वाले दीर्घकालिक लाभ की योजना शामिल है। आईओसी ने अपने बयान में कहा कि ये सभी इच्छुक पक्ष नवंबर में फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने अपने प्रोजेक्ट पेश करेंगे। इसके अलावा कुछ राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां एनओसी २०३६ के बाद के ओलम्पिक खेलों की मेजबानी को लेकर आईओसी के साथ गैर-बाध्यकारी बातचीत कर रही हैं। आईओसी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा कार्यक्रम को देखते हुए ३१ अक्तूबर के बाद २०३६ ओलम्पिक की मेजबानी के लिए किसी अन्य इच्छुक पक्ष पर विचार नहीं किया जायेगा। भारत ने २०२४ में २०३६ ओलम्पिक की मेजबानी के लिए अपनी रुचि का औपचारिक पत्र आईओसी को सौंपा था। हालांकि इसके बाद आईओसी के नये अध्यक्ष कर्स्टी कोवेंट्री ने मेजबान चयन प्रक्रिया को रोक दिया था। उन्होंने कहा था कि प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आईओसी सदस्य देशों से नये सुझाव लिए जायेंगे। अब सात देशों के परियोजना प्रस्ताव नवम्बर में सामने आने के बाद २०३६ ओलम्पिक की मेजबानी की दौड़ और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

## फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिये टेस्ट से संन्यास चिंताजनक-स्टीवर्ट

**बेंगलुरू (एजेन्सियां)।** क्रिकेट के नियमों और भावना के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के क्रिकेट प्रमुख फ्रेजर स्टीवर्ट ने कहा कि फ्रेंचाइजी आधारित टी-२० लीग खेलने के लिये क्रिकेटरों का टेस्ट से जल्दी संन्यास लेना चिंता का विषय है लेकिन उन्हें कम खेलकर अधिक पैसा कमाने की चाह के लिये दोषी नहीं ठहराया जा सकता। स्टीवर्ट ने दिन के टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को प्रयोग के लिये अनुमति देने के आईसीसी के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे पारंपरिक प्रारूप में रूचि फिर पैदा होगी। स्टीवर्ट ने कहा आईसीसी और मेरा मानना है कि द्विपक्षीय शृंखला में दोनों देशों को तय करने का अधिकार होना चाहिये कि क्या वे गुलाबी गेंद का इस्तेमाल करना चाहते हैं कि नहीं। स्टीवर्ट कर्नाटक क्रिकेट अम्पायर संघके साथ साझेदारीमें एमसीसीके 'ला आफ क्रिकेट' ऐपके कन्नड़ संस्करणके लांचके लिये यहां मौजूद थे।

## सूर्यकुमार शिविरसे अनुपस्थित रहनेके कारण हुए बाहर



**मुम्बई (एजेन्सियां)।** सूर्यकुमार यादव का सत्र पूर्व शिविर से लगातार अनुपस्थित रहना मुम्बई की रणजी ट्रॉफी टीम से उनके बाहर होने की प्रमुख वजह रहा। मुम्बई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। भारत के पूर्व टी-२० अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार राष्ट्रीय टीम में अपना स्थान गंवाने के बाद घरेलू क्रिकेट में लौटे हैं। हालांकि उन्होंने टीम की घोषणा से पहले आयोजित सत्र पूर्व प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने बाद में खुद को चयन के लिए उपलब्ध बताया था। मुम्बई के लाल गेंद के क्रिकेटर पिछले एक महीने से अभ्यास कर रहे हैं और मंगलवार को भी यहां क्रिकेट क्लब आफ इंडिया तथा मुम्बई क्रिकेट संघ के बीकेसी मैदान में उनका अभ्यास जारी रहा। सूत्र ने कहा आखिर यह एक टीम खेल है। उनके पास पिछले कुछ समय में लाल गेंद के क्रिकेट का अनुभव नहीं है ऐसे में सूर्यकुमार को टीम में शामिल न करने पर सभी एकमत थे। सूत्र ने कहा कि अगर सूर्यकुमार को टीम में रखा जाता तो चयनकर्ताओं को किसी युवा खिलाड़ी को बाहर करना पड़ता जो उचित नहीं लगता। रिपोर्ट के अनुसार करीब १० दिन पहले जब मुम्बई टीमके चयनके लिए सूर्यकुमार से संपर्क किया गया था तब भी उन्होंने जवाब नहीं दिया था और बादमें उन्होंने खुदको उपलब्ध बताया। हालांकि लाल गेंद के क्रिकेट में अनुभवकी कमी और ४२ बार की रणजी ट्राफी चैम्पियन मुम्बई के सत्र पूर्व शिविर में हिस्सा नहीं लेने के कारण सूर्यकुमार को ११ से १४ अक्टूबर तक वानखेड़े स्टेडियममें चंडीगढ़के खिलाफ होने वाले सत्रके शुरुआती मुकाबलेके लिए मुम्बई की १६ सदस्यीय टीममें जगह नहीं मिली। सूर्यकुमार के लिए मुम्बई टीममें वापसी के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। आईपीएलके तुरंत बाद वह टी-२० मुंबई लीगमें खेलते नजर आये थे। उन्हें दावेदारी में लौटने के लिए एमसीए द्वारा आयोजित क्लब क्रिकेट प्रतियोगिताओं जैसे पुलिस शील्ड या पुरुषोत्तम शील्ड टूर्नामेंटमें खेलना होगा। हालांकि सफेद गेंदके क्रिकेटमें सूर्यकुमारकी दावेदारीको लेकर यथास्थिति बरकरार है। मुम्बईके चयनकर्ताओंने सूर्यकुमारको बताया है कि २०२६-२७ सत्र में होने वाले आगामी घरेलू टूर्नामेंटके लिए उनके नामपर विचार किया जायेगा।

## पगडंडी से पोडियम तक पहुंची काजल

### ३००० मीटर पदचाल में जीता स्वर्ण पदक



**वाराणसी।** मंजिल तक पहुंचने की दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो मुश्किलें भी राह नहीं रोक पाती। कुछ ऐसा ही हुआ वाराणसी की काजल पटेल के साथ जिसने अपने मिट्टी से सने पांव को पोडियम तक पहुंचा दिया। काजल ने यह कारनामा किया लखनऊ के गुरु गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज में चार से छह अक्तूबर तक हुई उत्तर प्रदेश राज्य जूनियर अथलेटिक्स चैम्पियनशिप में जिसमें उसने अण्डर-१८ आयु वर्ग की ३००० मीटर पदचाल में स्वर्ण पदक जीता। काजल की इस कामयाबी के पीछे संघर्ष की लंबी कहानी है। प्रतियोगिताके दिन वह भोजन नहीं कर पायी उसके पास सिर्फ भूना चना था उसी को खाया और फिर ट्रैक पर उतर कर इसी चने की ताकत और वर्षों की मेहनत के सहारे सुनहरी चाल चल दी। परमानंदपुर निवासी काजल के पिता रमेश कुमार पटेल दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक तंगी के बावजूद काजल ने खेल के प्रति अपना जुनून कम नहीं होने दिया और पगडंडी पर दौड़ने लगी। उसकी यही दौड़ने की आदत उसे अथलेटिक्स की ओर ले आयी। करीब चार साल पहले विकास एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डाक्टर एके सिंह की नजर उस पर पड़ी और उन्होंने उसका दाखिला अपने स्कूल में करा उसके उम्मीदों को पंख देना शुरू किया। मेहनत रंग लायी और काजल ने गहन प्रशिक्षण के बूते कामयाबी का झंडा गाड़ दिया। अब काजल का अगला लक्ष्य २३ से २७ अक्तूबर तक होनेवाली राष्ट्रीय जूनियर अथलेटिक्स चैम्पियनशिपमें प्रदेश के लिए सोना जीतना है।

## जय क्रिकेट क्लब की आसान जीत

**वाराणसी।** मैन आफ द मैच उत्कर्ष दूबे (४-३४) की घातक गेंदबाजी के दम पर जय क्रिकेट क्लब ने यहां आर्य विद्यासभा काशी औसानगंज के खेल मैदान पर खेली जा रही अण्डर-१९ जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में दृष्टि क्रिकेट क्लब को पांच विकेट से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दृष्टि क्रिकेट क्लब की टीम ने प्रियांशु वर्मा के ३७, अनुज श्रीवास्तव के ३२, गोपाल राजभर के २९ और सचिन भारद्वाज के २७ रन के सहारे १६९ रन बनाये। उत्कर्ष के अलावा अपर्चित राजभर और ओमी जायसवाल ने भी दो-दो विकेट लिए। जवाब में जय क्रिकेट क्लब की टीम ने २५.१ ओवर में ही पांच विकेट पर १७३ रन बना लिए। उसके लिए शौर्य पी सिंह ने ६९, ध्रुव पटेल ने ३३ और चंद्रजीत यादव ने २४ रन बनाये। अनुज श्रीवास्तव ने दो विकेट चटकाये। कृष्णा यादव और विनोद बिंद ने अम्पायरिंग की जबकि आभाश शर्मा ने स्कोरर की भूमिका निभाई।

## जैयपुरिया के तीरंदाजों का स्वर्ण पर निशाना

**वाराणसी।** सेठ एमआर जैयपुरिया स्कूल बाबतपुर कैम्पस के तीरंदाजों ने सटीक निशाना साधते हुए यहां हरिश्चंद्र मिश्र पब्लिक स्कूल में हुई सीबीएसई की राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के अण्डर-१७ आयु वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। नैतिक सिंह, दिनकर कुमार, अथर्व जायसवाल और अभय प्रताप सिंह के कमान से निकले तीर ने यह सुनहरी कामयाबी लिखी। विद्यालय के इन चारो तीरंदाजों की स्वर्णिम सफलता पर चेयरमैन दीपक कुमार बजाज, प्रबंध निदेशक मनोज कुमार बजाज, श्याम सुन्दर बजाज, अनिल के.जादोदिया, सुधा सिंह, नरेन्द्र पाण्डेय, रमेश यादव, विकास तिवारी ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।




## खेल कलेंडर जारी

**वाराणसी।** सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों का खेल कलेंडर कुलसचिव राकेश कुमार ने जारी किया। इसके तहत वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता १० अक्तूबर को, मुक्केबाजी सात, कराटे १२ अक्तूबर, ताइक्वांडो १५ दिसम्बर तथा कुश्ती १८ दिसम्बर को होगी। इस प्रतियोगिताओं के आधार पर विश्वविद्यालय टीम का गठन कर जोनल एवं अखिल भारतीय अंतर

## विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्

एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002

09335414722

### आज का राशिफल — बुधवार, 7 अक्टूबर 2026

| | |
|---|---|
| मेष- | मनोकामना पूर्ण, अभिलाषा की पूर्ति, सुसमाचार की प्राप्ति, महत्वपूर्ण घटना घटित। |
| वृषभ- | कार्यों में बाधा, व्यवसाय में हानि, भागदौड़ में समय नष्ट, सुख में कमी, अशांति। |
| मिथुन- | साहसिक प्रयास, निर्णय लाभप्रद, भौतिक सुख, संबंधों में प्रगाढ़ता, सुसंदेश की प्राप्ति। |
| कर्क- | शारीरिक सुख, निर्णय हितकर, लाभ भी, महत्वपूर्ण घटना घटित, विवाद का समापन। |
| सिंह- | समस्या का समाधान, व्यापार में विस्तार, धार्मिक कृत्य सम्पन्न, मांगलिक कार्य संपन्न। |
| कन्या- | लाभ में कमी, कार्यों में व्यवधान, यात्रा से हानि, मानसिक तनाव, प्रतिष्ठा पर आघात। |
| तुला- | व्यवसाय में सफलता, उत्तरदायित्व का निर्वाह, उलझनें समाप्त, अनुकूल घटना घटित। |
| वृश्चिक- | आत्मिक शांति, शत्रु परास्त, गलतफहमी दूर, सम्मान में वृद्धि, संतसमागम से खुशी। |
| धनु- | महत्वपूर्ण सफलता, आत्मिक शांति, यात्रा संतोषप्रद, मनोरंजन में रुचि, सामाजिक कृत्य। |
| मकर- | लाभ में कमी, शत्रु प्रभावी, स्वजनों से मतभेद, यात्रा में परेशानी, अकेलेपन की अनुभूति। |
| कुम्भ- | सुसमाचार की प्राप्ति, बौद्धिक विकास, मेल-मिलाप, दूर समीप की यात्रा, मन प्रसन्न। |
| मीन- | कार्य सिद्धि, स्वास्थ्य अनुकूल, शुभ भावनाएँ, आपसी सामंजस्य, यात्रा संतोषजनक। |

### आज है जिनका जन्मदिन — 7 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 7 का स्वामी ग्रह केतु एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। जीवन उथल-पुथल व परेशानियों से परिपूर्ण रहेगा। स्वभाव कुछ रहस्यमयी होगा। किसी भी कार्य को कुछ विशेष तरीके से करने का प्रयत्न करेंगे। जीवन से कभी भी सन्तुष्ट नहीं होंगे। यही असन्तुष्टि कार्यशील बनाये रखेगी। वास्तविकता को अधिक महत्व देंगे। व्यर्थ की वस्तुओं में उपयोगिता निकालना प्रमुख गुण रहेगा। व्यवधान आपके जीवन का प्रमुख अंग